www.gyanshilaias.com gyanshilaiasindia@gmail.com

DIRECTOR SHRI MATI SANGAM SINGH | MANAGING DIRECTOR SRI ADITYA SINGH GAUTAM

## Tuesday, 08 September 2026

**1. वाइस एडमिरल विनीत मैकार्थी ने अंडमान और निकोबार कमांड के 20वें कमांडर-इन-चीफ के तौर पर पदभार संभाला। उसी के संदर्भ में हमें बताएं कि किस समिति ने भारत में एकीकृत त्रि-सेवा कमान के निर्माण की सिफारिश की थी?**
(A) कारगिल समीक्षा समिति (B) नरेश चंद्र समिति
(C) डीबी शेखतकर समिति (D) वर्मा समिति

**2. इंडियन कोस्ट गार्ड और वियतनाम कोस्ट गार्ड के बीच 7वीं हाई-लेवल मीटिंग चेन्नई में हुई। उसी के संदर्भ में हमें बताएं कि किस समिति की सिफारिश पर भारतीय तटरक्षक बल की स्थापना की गई थी?**
(A) नरेश चंद्र समिति (B) डी.बी. शेकटकर समिति
(C) कारगिल समीक्षा समिति (D) के.एफ. रुस्तमजी समिति

**3. INS निपुण के शामिल होने के बाद, नेवी अब किसी भी तट पर फंसी हुई सबमरीन को बचा सकती है। उसी के संदर्भ में हमें बताएं, किस वर्ष भारतीय नौसेना में पहला डीप सबमर्जेंस रेस्क्यू व्हीकल (DSRV) शामिल किया गया था?**
(A) 2020 (B) 2018
(C) 2015 (D) 2019

**4. CAG रिपोर्ट में पुडुचेरी में सरकारी योजनाओं को लागू करने में हुई गड़बड़ियों का ज़िक्र है। उसी के संदर्भ में हमें बताएं कि केंद्र सरकार के लेखापरीक्षा पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (CAG) की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कौन जिम्मेदार है?**
(A) भारत के राष्ट्रपति (B) प्रधानमंत्री
(C) वित्त सचिव (D) वित्त मंत्री

**5. त्रिपुरा में हथियार डालने वाले उग्रवादी संगठनों ने 2024 के त्रिपक्षीय शांति समझौते को लागू करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। उसी संदर्भ में हमें बताएं कि त्रिपुरा में बी.के. हरंगखवाल ने किस उग्रवादी समूह की स्थापना की थी?**
(A) सेनक्राक
(B) नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी)
(C) ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (एटीटीएफ)
(D) त्रिपुरा नेशनल वॉलंटियर्स (टीएनवी)

**6. हाल ही में प्रधानमंत्री ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब के प्रकाश पर्व के अवसर पर शुभकामनाएं दीं।**
**निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -**
**(1) गुरु अर्जन देव द्वारा संकलित आदि ग्रंथ, गुरु ग्रंथ साहिब का पहला संस्करण है और इसमें 36 हिंदू और मुस्लिम लेखकों की रचनाएँ शामिल हैं।**
**(2) गुरु गोबिंद सिंह ने 1704 और 1706 के बीच ग्रंथ में और पवित्र शबद जोड़े और 1708 में इसका नाम बदलकर श्री गुरु ग्रंथ साहिब कर दिया।**
**(3) गुरु गोबिंद सिंह ने 1708 में आदि ग्रंथ को शाश्वत गुरु घोषित किया था।**
**उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?**
(A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमे से कोई भी नहीं

**7. हाल ही में, भारत ने 5 सितंबर 2026 को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन (1888-1975) की जयंती के अवसर पर शिक्षक दिवस मनाया।**
**डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -**
**(1) उन्होंने 1931 से 1936 तक आंध्र विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में कार्य किया।**
**(2) वे 1962 में भारत के पहले उपराष्ट्रपति और बाद में भारत के दूसरे राष्ट्रपति बने।**
**(3) 1954 में, उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार भारत रत्न से सम्मानित किया गया।**
**उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?**
(A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमे से कोई भी नहीं

**8. भारत ने हाल ही में अपना पहला पुन: प्रयोज्य हाइब्रिड रॉकेट, RHUMI-1 लॉन्च किया है।**
**भारत के उपग्रह प्रक्षेपण यान के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -**
**(1) PSLV पृथ्वी के संसाधनों की निगरानी के लिए उपयोगी उपग्रहों को लॉन्च करते हैं जबकि GSLV मुख्य रूप से संचार उपग्रहों को लॉन्च करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।**
**(2) PSLV द्वारा लॉन्च किए गए उपग्रह पृथ्वी पर किसी विशेष स्थान से देखने पर आकाश में एक ही स्थिति में स्थायी रूप से स्थिर दिखाई देते हैं।**
**(3) GSLV Mk III एक चार-चरणीय प्रक्षेपण यान है, जिसमें पहले और तीसरे चरण में ठोस रॉकेट मोटर्स का उपयोग किया जाता है, और दूसरे और चौथे चरण में तरल रॉकेट इंजन का उपयोग किया जाता है।**
**उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?**
(A) केवल (1) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (3) (D) इनमे से कोई भी नहीं

**1-{C} - 2-{D} - 3-{B} - 4-{A} - 5-{D} - 6-{B} - 7-{A} 8-{A}**

# DAILY GENERAL STUDIES QUIZ

www.gyanshilaias.com gyanshilaiasindia@gmail.com
DIRECTOR SHRI MATI SANGAM SINGH | MANAGING DIRECTOR SRI ADITYA SINGH GAUTAM

## Tuesday, 08 September 2026

## PHYSICS

**1. क्वांटम उलझाव (Quantum Entanglement) दर्शाता है:**
(A) प्रकाश से तेज शास्त्रीय संचार
(B) अलग-अलग कणों की क्वांटम अवस्थाओं के बीच सहसंबंध
(C) कणों के बीच पूर्ण अभिक्रिया का अभाव
(D) संरक्षण नियमों का उल्लंघन

**2. पतली फिल्म व्यतिकरण में विभिन्न रंगों का मुख्य कारण है:**
(A) निर्वात में प्रकाश की अलग-अलग चाल
(B) परावर्तित तरंगों के बीच पथांतर
(C) प्रकाश का पूर्ण अवशोषण
(D) फोटॉन का द्रव्यमान बढ़ना

**3. परम शून्य तापमान (Absolute Zero) संबंधित है:**
(A) अधिकतम आणविक गति
(B) न्यूनतम संभव तापीय ऊर्जा
(C) पदार्थ के पूर्ण समाप्त होने
(D) अनंत एंट्रॉपी

**4. प्रबल नाभिकीय बल उत्तरदायी है:**
(A) प्रोटॉन और न्यूट्रॉन के अंदर क्वार्क को बाँधने के लिए
(B) विद्युत चुंबकीय विकिरण उत्पन्न करने के लिए
(C) गुरुत्वीय आकर्षण के लिए
(D) रासायनिक अभिक्रियाओं के लिए

**5. पूर्ण आंतरिक परावर्तन होता है जब:**
(A) प्रकाश विरल से सघन माध्यम में जाए
(B) प्रकाश सघन से विरल माध्यम में क्रांतिक कोण से अधिक कोण पर जाए
(C) प्रकाश पूरी तरह अवशोषित हो जाए
(D) प्रकाश की आवृत्ति शून्य हो जाए

**6. समता संरक्षण (Parity Conservation) का उल्लंघन होता है:**
(A) विद्युत चुंबकीय अंतःक्रिया में
(B) प्रबल अंतःक्रिया में
(C) कमजोर अंतःक्रिया में
(D) गुरुत्वीय अंतःक्रिया में

**7. डी-ब्रॉय परिकल्पना के अनुसार:**
(A) केवल फोटॉन में तरंग गुण होते हैं
(B) प्रत्येक गतिशील कण से संबंधित तरंगदैर्ध्य होती है
(C) पदार्थ व्यतिकरण नहीं दिखा सकता
(D) ऊर्जा हमेशा सतत होती है

**8. मीस्नर प्रभाव दर्शाता है:**
(A) अतिचालक से चुंबकीय क्षेत्र का पूर्ण निष्कासन
(B) कम तापमान पर प्रतिरोध बढ़ना
(C) रेडियोधर्मी ऊर्जा उत्पन्न होना
(D) चुंबकीय एकध्रुव बनना

**9. कॉस्मिक माइक्रोवेव बैकग्राउंड विकिरण प्रमाण है:**
(A) न्यूटनियन ब्रह्मांड का
(B) बिग बैंग सिद्धांत का
(C) स्थिर ब्रह्मांड मॉडल का
(D) आकाशगंगाओं की अनुपस्थिति का

**10. अनिश्चितता सिद्धांत मूलभूत सीमा लगाता है:**
(A) प्रकाश की चाल मापने पर
(B) संयुग्म राशियों को एक साथ अत्यधिक सटीक जानने पर
(C) ऊर्जा संरक्षण पर
(D) परमाणुओं के अस्तित्व पर

**1-{B}-2-{B}-3-{B}-4-{A}-5-{B}-6-{C}-7-{B}-8-{A}-9-{B}-10-{B}**

GYANSHILA IAS
Learning Institute

DAILY STATIC GK ONE-LINERS

www.gyanshilaias.com gyanshilaiasindia@gmail.com

DIRECTOR SHRI MATI SANGAM SINGH | MANAGING DIRECTOR SRI ADITYA SINGH GAUTAM

**Tuesday, 08 September 2026**

# पश्चिमी घाट एवं पूर्वी घाट (Western & Eastern Ghats)

## 1 परिचय (Introduction)

- पश्चिमी एवं पूर्वी घाट प्रायद्वीपीय पठार (Peninsular Plateau) की क्रमशः पश्चिमी और पूर्वी सीमाओं की प्रमुख पर्वतीय प्रणालियाँ हैं।
- पश्चिमी घाट ऊँचे, सतत और तीव्र ढाल वाले, जबकि पूर्वी घाट कम ऊँचे, असतत एवं नदियों द्वारा विच्छेदित हैं।
- दक्षिण में नीलगिरि पहाड़ियों के क्षेत्र में दोनों घाट मिलते हैं।

## 2 पश्चिमी घाट (Western Ghats / Sahyadri)

- पश्चिमी तट के समानांतर लगभग 1,600 किमी लंबे तथा लगभग 1,40,000 वर्ग किमी क्षेत्र में विस्तृत।
- गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु — 6 राज्यों से गुजरते हैं।
- सर्वोच्च शिखर — अनामुडी (Anamudi), 2,695 मीटर, केरल।
- प्रमुख गैप/दर्रे — थाल घाट, भोर घाट, पालघाट गैप और शेनकोट्टा गैप।
- गोदावरी, कृष्णा और कावेरी सहित अनेक प्रायद्वीपीय नदियों के जलग्रहण/उद्गम क्षेत्रों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण।

## 3 पूर्वी घाट (Eastern Ghats)

- मुख्यतः ओडिशा–आंध्र प्रदेश–तमिलनाडु तथा कर्नाटक के कुछ हिस्सों में विस्तृत।
- ये असतत (Discontinuous) हैं क्योंकि महानदी, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी इन्हें काटकर बंगाल की खाड़ी की ओर बहती हैं।
- सर्वोच्च शिखर — Jindhagada Peak, 1,690 मीटर, आंध्र प्रदेश।
- प्रमुख पहाड़ियों — नल्लामाला, वेलिकोंडा, शेवरॉय, जावादी और कोल्लीमलाई।
- Biligiri Rangan Hills पूर्वी और पश्चिमी घाट के बीच महत्वपूर्ण forested ecological corridor बनाती हैं।

## 4 पश्चिमी एवं पूर्वी घाट – तुलना (Comparison)

| आधार | पश्चिमी घाट | पूर्वी घाट |
|---|---|---|
| प्रकृति | अधिक सतत | असतत |
| ऊँचाई | अधिक | अपेक्षाकृत कम |
| सर्वोच्च शिखर | Anamudi – 2,695 m | Jindhagada – 1,690 m |
| मानसूनी प्रभाव | अत्यधिक | अपेक्षाकृत कम |
| नदियाँ | अनेक नदियों के जलग्रहण/उद्गम क्षेत्र | बड़ी नदियाँ काटकर गुजरती हैं |
| तटीय मैदान | संकरा | अपेक्षाकृत चौड़ा |

## 5 मानसून एवं जलवायु महत्त्व

- पश्चिमी घाट दक्षिण–पश्चिम मानसून की अरब सागर शाखा को रोकते हैं।
- पश्चिमी ढाल पर Orographic Rainfall तथा दक्कन के आंतरिक भागों में Rain-Shadow Effect उत्पन्न होता है।
- UNESCO इन्हें भारतीय मानसूनी मौसम को प्रभावित करने वाली अत्यंत महत्वपूर्ण पर्वतीय प्रणाली मानता है।

## 6 जैव विविधता का महत्त्व

- ✓ Western Ghats विश्व के 8 "hottest hotspots" of biodiversity में शामिल हैं।
- ✓ यहाँ कम-से-कम 325 globally threatened species दर्ज हैं।
- ✓ 2012 में UNESCO World Heritage Site घोषित; UNESCO संपत्ति में 39 component parts हैं।
- ✓ Lion-tailed Macaque, Nilgiri Tahr और Nilgiri Langur जैसी स्थानिक/संकटग्रस्त प्रजातियाँ यहाँ पाई जाती हैं।

## 7 2026 का महत्वपूर्ण Current Affairs Update

- 27 जुलाई 2026 को MoEFCC ने Western Ghats के Ecologically Sensitive Area (ESA) के लिए नया Draft Notification जारी किया है।
- इससे पहले 2024 के मसौदे में छह राज्यों में लगभग 56,825.7 वर्ग किमी क्षेत्र को प्रस्तावित ESA में रखा गया था।
- जुलाई 2026 में पश्चिमी घाट से Allographa genus की पाँच नई lichen-forming fungi species की खोज की घोषणा की गई।
- अतः Western Ghats में conservation वनाम development 2026 में भी एक महत्वपूर्ण नीतिगत विषय है।

## 8 चुनौतियाँ एवं निष्कर्ष

- खनन, वनों की कटाई एवं Habitat Fragmentation।
- सड़क, बाँध, पर्यटन और शहरीकरण का दबाव।
- भूस्तरण, मृदा अपरदन एवं climate-change-induced extreme rainfall।
- प्राकृतिक वनों का plantations में परिवर्तन।

**निष्कर्ष**

पश्चिमी एवं पूर्वी घाट एवं Monsoon–River–Biodiversity–Water Security Nexus के रूप में देखना चाहिए। भविष्य की रणनीति में ESA Management + Landscape-level Conservation + Sustainable Infrastructure + Ecological Corridors + Community Participation का संतुलित समावेश आवश्यक है।

www.gyanshilaias.com gyanshilaiasindia@gmail.com

DIRECTOR SHRI MATI SANGAM SINGH | MANAGING DIRECTOR SRI ADITYA SINGH GAUTAM

**Tuesday, 08 September 2026**

# ज्वालामुखी

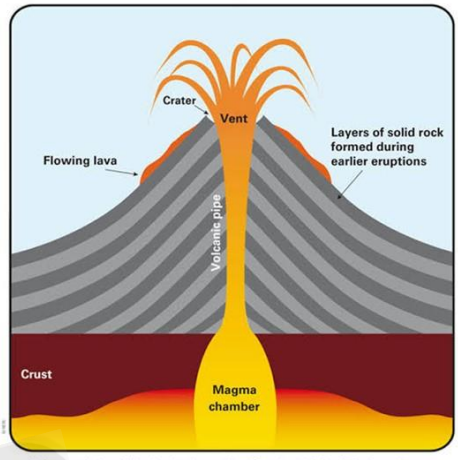


## समाचार में क्यों?

इंडोनेशिया के **माउंट अनाक क्राकाटाऊ ज्वालामुखी में विस्फोट** हुआ, जिससे वायुमंडल में **ज्वालामुखीय राख के महीन कण** फैल गए। इन कणों से **विमान के इंजनों को नुकसान पहुँचने का खतरा, दृश्यता में कमी** तथा **स्वास्थ्य संबंधी जोखिम** उत्पन्न हुए। इसके कारण कई हवाई अड्डों पर परिचालन अस्थायी रूप से निलंबित करना पड़ा और अनेक **उड़ानें एवं यात्री प्रभावित** हुए।

**अर्थप्रकाशक: -**

***ज्वालामुखीयता क्या है?-***

- **ज्वालामुखीयता** वह भूवैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से पृथ्वी के भीतर उत्पन्न **मैग्मा, ज्वालामुखीय गैसें और अन्य पदार्थ** भूपर्पटी में प्रवेश करते हैं या पृथ्वी की सतह तक पहुँचते हैं।
- सतह पर पहुँचने वाले **मैग्मा को लावा** कहा जाता है।
- **ज्वालामुखीयता** के परिणामस्वरूप **ज्वालामुखीय पर्वत, ज्वालामुखीय पठार और ज्वालामुखीय द्वीप** जैसी स्थलाकृतियों का निर्माण हो सकता है।

***ज्वालामुखी विस्फोट की प्रक्रिया-***

- यह प्रक्रिया पृथ्वी के भीतर **मैग्मा के निर्माण** से शुरू होती है।
- आसपास की चट्टानों की तुलना में कम घनत्व होने के कारण मैग्मा भूपर्पटी में **दरारों और कमजोर क्षेत्रों के माध्यम से ऊपर की ओर** बढ़ता है।
- जब मैग्मा भूमिगत **मैग्मा कक्ष** में एकत्रित होता है, तो दबाव बढ़ जाता है।
- जब यह दबाव आसपास की चट्टानों की मजबूती से अधिक हो जाता है, तो **मैग्मा लावा, राख और गैसों** के रूप में सतह पर विस्फोट कर सकता है।
- लावा अंततः ठंडा होकर जम जाता है और **आग्नेय चट्टानों** का निर्माण करता है।

***मैग्मा की श्यानता का प्रभाव-***

- **मैग्मा की श्यानता** ज्वालामुखी विस्फोट की प्रकृति को निर्धारित करने वाला एक महत्वपूर्ण कारक है।
- **कम श्यानता वाला मैग्मा** अधिक तरल होता है और सामान्यतः अपेक्षाकृत शांत **लावा प्रवाह** उत्पन्न करता है।
- **अधिक श्यानता वाला मैग्मा** गैसों को लंबे समय तक रोक सकता है, जिससे दबाव बढ़ता है और **विस्फोटक उद्गार** की संभावना बढ़ जाती है।

***ज्वालामुखी विस्फोट के प्रमुख कारण-***

- **प्लेट विवर्तनिकी: विवर्तनिक प्लेटों** की गति और अंतःक्रिया ज्वालामुखीय गतिविधि के प्रमुख कारण हैं, विशेष रूप से **अभिसारी प्लेट सीमाओं** पर, जहाँ एक प्लेट दूसरी प्लेट के नीचे धँसती है और संबंधित प्रक्रियाएँ मैग्मा के निर्माण को बढ़ावा देती हैं।
- **मैग्मा का दबाव:** भूमिगत **मैग्मा कक्ष** में मैग्मा और गैसों के संचय से दबाव बढ़ सकता है। जब यह दबाव आसपास की चट्टानों के प्रतिरोध से अधिक हो जाता है, तो **ज्वालामुखी विस्फोट** हो सकता है।
- **दाबमुक्ति:** जैसे-जैसे मेंटल पदार्थ ऊपर उठता है, **दबाव में कमी** आंशिक रूप से पिघलने का कारण बन सकती है और मैग्मा का निर्माण कर सकती है। यह प्रक्रिया विशेष रूप से **मध्य-महासागरीय कटक और हॉटस्पॉट क्षेत्रों** में महत्वपूर्ण है।
- **ज्वालामुखीय गैसें:** मैग्मा में घुले **जलवाष्प, कार्बन डाइऑक्साइड और सल्फर डाइऑक्साइड** जैसे वाष्पशील पदार्थ दबाव के निर्माण में योगदान करते हैं और **विस्फोट की तीव्रता** निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

***ज्वालामुखीयता के प्रकार-***

- **मैग्मा पृथ्वी के भीतर** जमता है या **सतह पर** निकलकर जमता है, इसके आधार पर ज्वालामुखीय प्रक्रियाओं को व्यापक रूप से **अंतर्वेधी और बहिर्वेधी** प्रक्रियाओं के रूप में समझा जा सकता है।

***अंतर्वेधी ज्वालामुखीय संरचनाएँ-***

- जब **मैग्मा पृथ्वी की भूपर्पटी के भीतर ठंडा होकर जमता है,** तो विभिन्न **अंतर्वेधी आग्नेय संरचनाओं** का निर्माण होता है।
- **बैथोलिथ: बैथोलिथ** एक अत्यंत विशाल अंतर्वेधी आग्नेय पिंड है, जो भूपर्पटी की गहराई में मैग्मा की विशाल मात्रा के ठंडा होकर जमने से बनता है।
- **लैकोलिथ: लैकोलिथ** एक अंतर्वेधी आग्नेय संरचना है, जिसमें मैग्मा चट्टानों की परतों के बीच प्रवेश करके ऊपर स्थित परतों को ऊपर की ओर धकेलता है, जिससे **गुंबदाकार संरचना** बनती है।

GYANSHILA IAS
Learning Institute

# MAP OF THE DAY BHARAT

www.gyanshilaias.com gyanshilaiasindia@gmail.com

DIRECTOR SHRI MATI SANGAM SINGH | MANAGING DIRECTOR SRI ADITYA SINGH GAUTAM

**Tuesday, 08 September 2026**

## राष्ट्रीय जलमार्ग 1 (NW-1)

### गंगा – भागीरथी – हुगली नदी प्रणाली

**मार्ग:** प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) से हल्दिया (पश्चिम बंगाल) तक, बिहार (पटना, भागलपुर) और झारखंड से होकर गुजरता है।

- **लंबाई** 1,620 किमी — भारत का सबसे लंबा जलमार्ग
- **घोषित** 1986 में — IWAI अधिनियम 1985 के तहत
- **किन राज्यों से गुजरता है** उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल
- **भारत का सबसे लंबा राष्ट्रीय जलमार्ग**

## भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (IWAI)

यह परिवहन मंत्रालय (पोत परिवहन और जलमार्ग) के अधीन एक सांविधिक निकाय है, जो राष्ट्रीय जलमार्गों के विकास, रखरखाव और नियमन का कार्य करता है।

**स्थापना**
27 अक्टूबर 1986, IWAI अधिनियम 1985 के तहत

**मुख्यालय**
ए-13, सेक्टर-1, नोएडा, उत्तर प्रदेश

**मुख्य कार्य**
- जलमार्गों का विकास (ड्रेजिंग, चैनल मार्किंग, नदी प्रशिक्षण कार्य)
- नेविगेशन अवसंरचना का निर्माण (टर्मिनल, जेट्टी, रो-रो/रो-पैक्स सेवाएँ)
- रात्रिकालीन नौवहन प्रणाली
- अंतर्देशीय नौवहन का विनियमन और सुरक्षा
- राष्ट्रीय जलमार्गों का समग्र विकास और रखरखाव

**क्षेत्रीय कार्यालय**
पटना, कोलकाता, गुवाहाटी, वाराणसी, भुवनेश्वर और कोच्चि

**उप-कार्यालय**
प्रयागराज, फरक्का, साहिबगंज, स्वरूपगंज, हेमनगर, डिब्रूगढ़, धुबरी, बदरपुर/करीमगंज, भागलपुर और विजयवाड़ा

## भारत के अन्य महत्वपूर्ण राष्ट्रीय जलमार्ग

भारत में कुल **111** राष्ट्रीय जलमार्ग अधिसूचित है (राष्ट्रीय जलमार्ग अधिनियम, 2016 के तहत), जिनमें से मार्च 2026 तक 32 जलमार्ग परिचालन में हैं।

| जलमार्ग संख्या | नदी / मार्ग | मुख्य विशेषता / मार्ग विवरण | राज्य(राज्य) |
|---|---|---|---|
| NW-1 | गंगा–भागीरथी–हुगली | 1,620 किमी, भारत का सबसे लंबा जलमार्ग | उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल |
| NW-2 | ब्रह्मपुत्र | धुबरी से सादिया | असम |
| NW-3 | पश्चिम तट नहर | कोट्टापुरम से कोल्लम | केरल |
| NW-4 | गोदावरी–कृष्णा नदी प्रणाली | महत्वपूर्ण पूर्वी तट जलमार्ग | आंध्र प्रदेश, तेलंगाना |
| NW-5 | ब्रह्मणी–कुआ–महानदी डेल्टा | ओडिशा में | ओडिशा |
| NW-16 | बराक नदी | पूर्वोत्तर क्षेत्र में | असम |
| NW-110 | यमुना नदी | दिल्ली – सोनिया विहार से जगतपुर (नौका पर्यटन हेतु MoU, 2025) | दिल्ली |

स्वच्छ नदियाँ | कुशल एवं सस्ता परिवहन | समावेशी विकास | सतत भविष्य

**जलमार्ग अपनाएँ एक बेहतर भारत बनाएँ**

GYANSHILA IAS
Learning Institute

# MAP OF THE DAY WORLD

www.gyanshilaias.com gyanshilaiasindia@gmail.com

DIRECTOR SHRI MATI SANGAM SINGH | MANAGING DIRECTOR SRI ADITYA SINGH GAUTAM

**Tuesday, 08 September 2026**

# रुब अल-ख़ाली (खाली चौथाई)
## Rub' al Khali (The Empty Quarter)

Vast Sands, Strategic Resources, Global Significance

विश्व का सबसे बड़ा सतत रेतीला रेगिस्तान

### 1. स्थान एवं विस्तार

- अरब प्रायद्वीप के दक्षिणी भाग में स्थित विश्व का सबसे बड़ा सतत रेतीला रेगिस्तान (sand desert)।
- सऊदी अरब, ओमान, यमन और संयुक्त अरब अमीरात (UAE) – इन चार देशों में फैला है।
- अरबी में "रुब अल-ख़ाली" का अर्थ है – "खाली चौथाई (Empty Quarter)".
- यह अरब प्रायद्वीप का दक्षिणी एवं दक्षिण-पूर्वी हिस्सा घेरता है।

### 2. आकार एवं भौगोलिक विशेषताएँ

- लगभग 6,50,000 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला, जो इसे विश्व का सबसे बड़ा रेतीला मरुस्थल बनाता है।
- यह एक विशाल "सैंड सी (Sand Sea/Erg)' है, जिसमें असंख्य बालू के टीले हैं।
- यहाँ के बालू के टीले विश्व के सबसे ऊँचे टीलों में से हैं, जिनकी ऊँचाई 250 मीटर तक पहुँच सकती है।
- विस्तृत रेतीली सतह, चलायमान टीले, रेतीले मैदान और कुछ स्थानों पर पथरीले क्षेत्र पाए जाते हैं।

रुब अल-ख़ाली के विशाल बालू के टीले

### 3. जलवायु

- विश्व के सबसे शुष्क एवं गर्म क्षेत्रों में से एक।
- वार्षिक वर्षा अत्यंत नगण्य (अधिकांश क्षेत्रों में < 50 मिमी)।
- गर्मियों में तापमान 50°C से भी अधिक पहुँच जाता है।
- रात में तापमान तेजी से गिरता है (उच्च दैनिक तापांतर)।
- अत्यधिक गर्मी, शुष्कता और जल की कमी के कारण यहाँ मानव बसावट बहुत कम है।

अत्यधिक शुष्क और गर्म जलवायु

### 4. अरब मरुस्थल प्रणाली का हिस्सा

- रुब अल-ख़ाली, अरब मरुस्थल (Arabian Desert) का ही एक विशाल भाग है।
- अरब मरुस्थल, विश्व के सबसे बड़े गर्म मरुस्थलों में से एक है (केवल सहारा इससे बड़ा है)।
- यह क्षेत्र अरब प्रायद्वीप की भौगोलिक, जलवायु और सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

अरब मरुस्थल का विशाल भाग

### 5. आर्थिक महत्व – तेल एवं गैस भंडार

- यह क्षेत्र विश्व के विशाल पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस भंडारों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।
- सऊदी अरब का प्रसिद्ध शायबाह तेल क्षेत्र (Shaybah Oil Field) यहीं स्थित है – विश्व के सबसे बड़े तेल क्षेत्रों में से एक।
- यह क्षेत्र वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा और भू-राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- तेल एवं गैस के अलावा, यह क्षेत्र सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

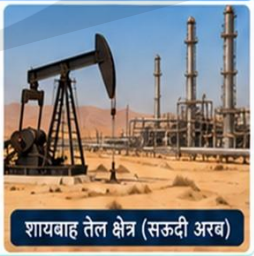
शायबाह तेल क्षेत्र (सऊदी अरब)

### UPSC दृष्टिकोण से महत्व

- विश्व के प्रमुख मरुस्थल एवं उनका तुलनात्मक अध्ययन
- पश्चिम एशिया (अरब प्रायद्वीप) की भौगोलिक समझ
- तेल एवं गैस संसाधन, ऊर्जा सुरक्षा
- मरुस्थलीकरण, जलवायु एवं चरम पर्यावरणीय परिस्थितियाँ
- भू-राजनीतिक दृष्टि से पश्चिम एशिया का महत्व

### विश्व के प्रमुख मरुस्थलों की तुलना

| क्र.सं. | मरुस्थल | प्रकार | स्थान | मुख्य विशेषता | क्षेत्रफल (लगभग) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | **सहारा** | उष्ण (गर्म) | उत्तरी अफ्रीका | विश्व का सबसे बड़ा गर्म मरुस्थल (कुल क्षेत्रफ़ल में) | ~ 9.2 मिलियन वर्ग किमी |
| 2 | **रुब अल-ख़ाली** | उष्ण (गर्म) | सऊदी अरब, ओमान, यमन, UAE | विश्व का सबसे बड़ा सतत रेतीला मरुस्थल (Sand Desert) | ~ 6.5 लाख वर्ग किमी |
| 3 | **थार** | उष्ण (गर्म) | भारत-पाकिस्तान | विश्व का सबसे घनी आबादी वाला मरुस्थल | ~ 2.0 लाख वर्ग किमी |
| 4 | **गोबी** | शीत | मंगोलिया-चीन | विश्व का सबसे बड़ा शीत मरुस्थल (एशिया में) | ~ 13 लाख वर्ग किमी |
| 5 | **अंटार्कटिक** | शीत ध्रुवीय | अंटार्कटिका | विश्व का सबसे बड़ा मरुस्थल (कुल क्षेत्रफ़ल – बर्फीला) | ~ 14 मिलियन वर्ग किमी |

### मुख्य निष्कर्ष (Key Takeaways)

- रुब अल-ख़ाली – आकार, जलवायु और संसाधनों की दृष्टि से अद्वितीय मरुस्थल।
- वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा, भू-राजनीति और पश्चिम एशिया की रणनीतिक समझ के लिए महत्वपूर्ण।
- विश्व के प्रमुख मरुस्थलों की तुलना UPSC के लिए उपयोगी है।

"Limitless Sands, Enduring Significance"

GYANSHILA IAS
Learning Institute

# DAILY CURRENT AFFAIRS QUIZ

www.gyanshilaias.com gyanshilaiasindia@gmail.com

DIRECTOR SHRI MATI SANGAM SINGH | MANAGING DIRECTOR SRI ADITYA SINGH GAUTAM

## Tuesday, 08 September 2026

**1. संयुक्त राष्ट्र ने किस तारीख को बाल विवाह, कम उम्र में विवाह और जबरन विवाह को खत्म करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में घोषित किया है?**

(A) 11 अक्टूबर (B) 20 नवंबर
(C) 25 अक्टूबर (D) 27 नवंबर

**2. भारत में बंदी-प्रजनित गिद्धों के पुन:प्रवेश के लिए महाराष्ट्र के किन दो बाघ अभयारण्यों को सबसे सफल स्थल के रूप में उभरकर सामने आया है?**

(A) मेलघाट और पेंच (B) ताडोबा और बोर
(C) बोर और सह्याद्रि (D) पेंच और ताडोबा

**3. रंगपुर-शिवसागर ऐतिहासिक समूह, जिसे हाल ही में UNESCO की विश्व धरोहर की संभावित सूची में शामिल किया गया है, मुख्य रूप से किस राजवंश से जुड़ा है?**

(A) अहोम राजवंश (B) कचारी राजवंश
(C) कोच राजवंश (D) पाल राजवंश

**4. अंतर्राष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस 2026 किस तारीख को मनाया गया?**

(A) 3 सितंबर 2026 (B) 4 सितंबर 2026
(C) 5 सितंबर 2026 (D) 6 सितंबर 2026

**5. किस देश ने 4 से 6 सितंबर 2026 तक नई दिल्ली में तीन दिवसीय ब्रिक्स (BRICS) मुख्य न्यायाधीश फोरम 2026 की मेजबानी की है?**

(A) ब्राजील (B) रूस
(C) चीन (D) भारत

**6. 7 सितंबर 2026 को पणजी में आयोजित वेस्टर्न ज़ोनल काउंसिल की 28वीं बैठक की अध्यक्षता किसने की?**

(A) राजनाथ सिंह (B) अमित शाह
(C) पीयूष गोयल (D) मनोहर लाल

**7. कौन सा देश 22 सितंबर 2026 को भारत के खिलाफ अपना पहला पुरुष T20I मैच खेलेगा?**

(A) जापान (B) चीन
(C) दक्षिण कोरिया (D) थाईलैंड

**8. थाईलैंड में फूलों वाले पौधे की किस नई प्रजाति की खोज की गई है और उसे "डेविल फ्लावर" (शैतान का फूल) उपनाम दिया गया है?**

(A) थिस्मिया लिमकोकथायी
(B) थिसमिया डेमोना
(C) थिसमिया सुमात्राणा
(D) थिसमिया क्लैविगेरा

**9. पहले iBRICS समिट 2026 का औपचारिक नाम क्या है?**

(A) ग्लोबल ब्रिक्स इन्वेस्टमेंट फोरम
(B) ब्रिक्स सॉवरेन फाइनेंस डायलॉग
(C) ग्लोबल सॉवरेन एंड प्राइवेट डील रूम
(D) ग्लोबल ब्रिक्स कैपिटल कॉन्फ्रेंस

**10. कॉकरोच के दूध में प्रोटीन क्रिस्टल पर रिसर्च के लिए किस भारतीय वैज्ञानिक को 2026 के Ig नोबेल केमिस्ट्री पुरस्कार से जोड़ा गया है?**

(A) संचारी बनर्जी (B) रामास्वामी सुब्रमण्यन
(C) जंध्यम श्रीकांत (D) नितीश सत्यनारायणन

**1-{D} - 2-{A} - 3-{A} - 4-{C} - 5-{D} - 6-{B} - 7-{A} - 8-{C} - 9-{C} -10-{B}**